बुधवार
20 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

सर्दियों में जूस पीना सेहत के लिए कितना सही ?

पृष्ठ 5

मस्त में रहने का से नीना गुप्ता की शरारतों ने जीता दिल

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 305
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।

– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ज्वैलरी शॉप से लाखों के आभूषण चोरी

हमारे संवाददाता

देहरादून। सेलाकुई क्षेत्र में देर रात बदमाशों द्वारा ज्वैलरी शॉप में गैस कटर की मदद से लाखों के आभूषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना का पता तब चला जब सुबह दुकान में फोन का चार्जर लेने गए दुकान मालिक पहुंचे। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग 9.40 पर सेलाकुई चौक स्थित दिनेश ज्वेलर्स के संचालक मयंक सिंधी अपने फोन का चार्जर लेने के लिए अपनी ज्वेलरी शॉप में पहुंचे। दुकान के बाहर तीसरे फ्लोर तक जाती हुई एक रस्सी लटक रही थी। जब उन्होंने दुकान का शटर खोला तो अंदर का नजारा देख वह हैरान रह गये। अन्दर सारा सामान बिखरा पड़ा था, तिजोरियों में बड़े छेद हो रखे थे। वहीं दुकान में रखी सोने-चांदी की लाखों की ज्वेलरी गायब थी।

दुकान संचालक की सूचना पर सेलाकुई थाना प्रभारी शैंकी कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके से पुलिस को एक बड़ा, एक छोटा सिलेंडर, गैस कटर, सबल और हथोड़ा मिला है। थाना प्रभारी ने बताया कि बदमाश सबसे पहले तीसरी फ्लोर की सेक्शन विंडो का शीशा तोड़कर अंदर दाखिल हुए। उसके बाद एक के बाद एक तीन दरवाजे काटकर नीचे दुकान तक पहुंचे। चोरों ने दुकान का पीछे का हिस्सा और रेस्ट रूम सब्बल और हथौड़े से तोड़ा। दुकान की तिजोरियों में गैस कटर से छेद कर ज्वेलरी निकाली।

डिस्प्ले काउंटर में रखी ज्वेलरी भी बदमाश ले गये। उन्होंने बताया कि चोरों ने पहले ही सीसीटीवी कैमरे की तार काट दी थी और जाते समय डीवीआर भी लेकर चले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम गठित कर दी है। बताया कि जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

-घर में घुसकर परिवार पर हमले का प्रकरण-

पार्षदों व नगर निगम कर्मचारियों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। प्रवीण भारद्वाज ने बताया कि निगम कर्मियों ने पार्षद के दबाव में शिकायतकर्ता का ही मकान ध्वस्त कर दिया। न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ। उनको शासन-प्रशासन से कोई उम्मीद नहीं अब कोर्ट ही इंसाफ करेगी।

❑शासन-प्रशासन से नहीं कोई उम्मीद, कोर्ट ही न्याय करेगी: भारद्वाज

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए जाखन निवासी प्रवीण भारद्वाज ने बताया कि 22 फरवरी को बीजेपी के पार्षदों संजय नौटियाल, चुन्नीलाल, भूपेंन्द्र कठैत, कमल थापा, योगेश घाघट, सत्येंन्द्र नाथ व उनके साथ भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष पूनम नौटियाल, चमन, एसबी भटट, किरण पासवान, मीना नौटियाल, सिंकदर ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ मिलकर तकरीबन 70-80 लोगों की भीड को साथ लेकर एक साजिश के तहत उनके परिवार पर जानलेवा हमला किया था। जिसमें पार्षद संजय नौटियाल द्वारा उनपर चाकू से हमला किया एवं उसको व उसके परिवार को पेट्रोल से जिंदा जलाकर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

उपराष्ट्रपति के सम्मान में एक घंटे संसद में खड़े हुए एनडीए के सांसद

नई दिल्ली। संसद परिसर में कुछ विपक्षी सांसदों की ओर से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करने का मामले गरमा गया है। उपराष्ट्रपति के सम्मान में एक घंटे राज्यसभा में एनडीए के सभी सांसद खड़े हुए। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को फोन कर कुछ सांसदों के व्यवहार पर निराशा व्यक्त की। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी निराशा जताई है। दरअसल, बीते दिन संसद की सीढ़ियों पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति धनखड़ का उपहास उड़ाया था। सांसद अपने निलंबन का विरोध कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने ट्वीट कर कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टेलीफोन आया। उन्होंने कुछ माननीय सांसदों की घृणित नाटकीयता पर बहुत दुख व्यक्त किया। उन्होंने मुझे बताया कि वह पिछले बीस वर्षों से इस तरह के अपमान सहते आ रहे हैं, लेकिन यह फैक्ट है कि भारत के उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के साथ और वह भी संसद में, ऐसा हो सकता है दुर्भाग्यपूर्ण है।

कोरोनाः केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यों के साथ की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण एक बार फिर से दुनियाभर में पैर पसारना शुरू कर दिया है। कोरोना के नए वैरिएंट जेएन 1 ने लोगों में दहशत पैदा कर दी है। भारत में भी लगातार कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की।

समीक्षा बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया के साथ नीति आयोग के सदस्य और स्वास्थ्य विभाग के तमाम आला अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं और तैयारियों के साथ ही संक्रमण की रोकथाम के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें घबराने की नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करते हुए, श्संपूर्ण सरकारश दृष्टिकोण के साथ मिलकर काम करने का समय आ गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल की तैयारियों की मॉक ड्रिल पर जोर देते हुए कहा कि हर 3 महीने में एक बार सभी अस्पतालों में मॉक ड्रिल की जाए। मामलों पर निगरानी रखी जाए। मंत्री राज्यों को आश्वासन दिया कि केंद्र की तरफ से राज्यों को पूरी सहायता दी जाएगी। मंत्री ने राज्यों से ये भी कहा कि ठंड के मौसम और त्योहारी सीजन को देखते हुए बेहतर उपाय किए जाएं।

बैठक में केरल के मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा कि कोरोना के मामलों पर निगरानी रखी जा रही है। जो भी टेस्ट हो रहे हैं उन्हें डब्ल्यूजीएस के लिए जा रहे हैं। आपको बता दें कि फिलहाल देश में कोरोना के 2311 एक्टिव मामले हैं, केरल में 292, तमिलनाडु में 13, महाराष्ट्र में 11 कर्नाटक में 9, तेलंगाना और पुडुचेरी में 4, दिल्ली और गुजरात में 3, के साथ ही पंजाब और गोवा में एक एक केस मिला है।

दून वैली मेल

संपादकीय

निलंबन पर महासंग्राम

इन दिनों भारतीय संसद में निलंबन का जो इतिहास रचा जा रहा है उसे लेकर जहां पक्ष और विपक्ष के बीच महासंग्राम छिड़ चुका है वहीं राजनीतिक जानकर इसकी अपने-अपने तरीके से आलोचना-समालोचना करने में जुटे हुए हैं। अब तक इस निलंबन की कार्रवाई के तहत लोकसभा और राज्यसभा के कुल 141 सांसदों को शीतकालीन सत्र के लिए निर्लंबित किया जा चुका है। देश के लोकतंत्र के इतिहास में यूं तो अब तक अनेक ऐतिहासिक घटनाएं घटती रही हैं 1970 के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल को लागू किया जाना इसका एक उदाहरण है और अब सांसदों का इतनी बड़ी संख्या में निलंबन किया जाना भी एक ऐसी घटना है जो पहली बार पेश आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल विपक्षी सांसदों के हंगामा में और निलंबन की घटना पर जो प्रतिक्रिया दी है उसमें जिस तरह का दम्भ दिखाई देता है वह इस बात की पुष्टि करता है कि वास्तव में अब भाजपा विपक्ष विहीन सरकार चाहती है। उनका यह कहना कि विपक्ष संसद में हुई घुसपैठ का समर्थन कर रहा है किसी के भी गले नहीं उतरने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी का निलंबन के बाद संसद में खाली पड़ी सीटों की ओर इशारा करके यह कहना कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद इन्हें भी भर दिया जाएगा या तो उनके अहंकार को दर्शाता है या फिर उनके अति आत्मविश्वास को जो दोनों ही स्थितियां ठीक नहीं है। विपक्षी सांसदों का निलंबन अगर सत्ता पक्ष की मनमानी के लिए किया जा रहा है जैसा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन कह रहे हैं कि सरकार सदन से विपक्ष का सफाया इसलिए कर रही है जिससे वह संसद में बिना किसी चर्चा और रोक-टोक के उन विधेयकों को मनमाने तरीके से पारित करा सके जो आम आदमी के हितों से जुड़े हुए हैं। इस सत्र में आपराधिक कानून संशोधन जैसे विधेयक लगे हुए हैं। उनका आरोप है कि जब विपक्षी दलों के सांसदों की बात नहीं सुनी जाएगी तो फिर देश में लोकतंत्र का अर्थ ही क्या रह जाता है। उनका कहना है कि निरंकुश हो चुकी भाजपा की सरकार अब देश में लोकतंत्र को ध्वस्त करना चाहती है। खैर देश के लोकतंत्र का आगे भविष्य क्या रहने वाला है इसकी दिशा और दशा को 2024 के चुनाव परिणाम ही सुनिश्चित करेंगे। लेकिन एक बात अवश्य ही सत्य है कि अब तक देश के लोकतंत्र के इतिहास में जब भी कोई अप्रत्याशित या ऐतिहासिक घटना घटित हुई है देश की आम जनता लोकतंत्र की रक्षा के लिए जरूर खड़ी होती रही है। इसलिए यह मुगालता किसी को भी नहीं पालना चाहिए कि वह इस देश के लोकतंत्र से भी ऊपर है या लोकतंत्र को अपनी लाठी से हांक सकता है। 70 के दशक में देश की जनता उसे मुगालते को तोड़ चुकी है जब कांग्रेसी इंडिया इस इंदिरा और इंदिरा इस इंडिया का नारा लगाते थे। कोई भी सांसद वह भले ही किसी भी दल का क्यों न हो एक क्षेत्र का जनप्रतिनिधि होता है वह अपनी मर्जी से जाकर संसद में नहीं बैठा है उसके क्षेत्र की जनता ने उसे संसद में भेजा है जिससे वह अपने क्षेत्र की जनता के हितों की सुरक्षा कर सके। सभी सांसदों को अपनी बात संसद में रखने का अधिकार है उससे उसका यह अधिकार अगर छीना जाता है या उसकी बात को गौर से सुना और समझा नहीं जाता है उसकी आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है तो यह किसी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष इस मुद्दे को लेकर भले ही राजनीति पर उतर आए हो और एक दूसरे पर कीचड़ उछलने का काम करते हुए स्वयं को सही साबित करने में जुटे हुए हो लेकिन उन्हें यह कतई भी नहीं भूलना चाहिए कि उनके इस राजनीतिक तमाशे को देश की आम जनता बहुत गौर से देख और समझ रही है। एक अति संवेदनशील मुद्दे को जो संसद की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है उसके कारण और निवारण पर चिंतन मंथन करने की बजाय वह इस मुद्दे को कैसे संसद में हंगामामय और सांसदों के निलंबन के जरिए मुख्य मुद्दे से ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है आम आदमी को सभी बातें अच्छे से समझ में आ रही है। अगर देश में स्वयं को बहुत होशियार मानने वाले नेता यह समझ बैठे हैं कि जनता तो जनता है वह क्या जाने तो यह उनका भ्रम ही कहा जा सकता है। लेकिन महासंग्राम का अंत कब और कैसे होगा तथा इसके क्या परिणाम होंगे आने वाला समय ही बताएगा।

यस्ते शृङ्गवृषो नपात्प्रणपात्कुण्डपाय्यः।
न्यस्मिन्दध्र आ मनः॥

(ऋग्वेद ८-१७-१३)

हे परमात्मा ! आकाश में अडिग निराधार महान सूर्य तुम्हारी ही अद्भुत रचना है। जो ना तो स्वयं गिरता है और ना ही अन्य ग्रहों को गिरने देता है। उसी प्रकार जो साधक अपना मन तुम में लगाता है वह सूर्य के समान अडिग रहता है।

जलवायु आधारित कृषि पर नवाचार करने वाले महिला समूह होंगे सम्मानित:मर्तोलिया

संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि जलवायु आधारित कृषि पर जो महिला स्वयं सहायता समूह नवाचार करेगा, उसे जिला पंचायत द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

आज यहां ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना (रिप) के तत्वावधान में जलवायु आधारित कृषि विषय पर आयोजित दो दिनी कार्यशाला का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि जलवायु आधारित कृषि पर जो महिला स्वयं सहायता समूह नवाचार करेगा, उसे जिला पंचायत द्वारा सम्मानित किया जाएगा। विकास खंड सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में नारी शक्ति कलस्टर दरकोट की चयनित 20 महिलाएं प्रशिक्षण ले रही है। उन्होंने कहा कि हमें जलवायु पर आधारित खेती करने के लिए आगे आना होगा। तभी हम कृषि से अपनी आजीविका को आगे बढ़ा सकते है। उन्होंने कहा कि परियोजना द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जलवायु आधारित कृषि के बारे में जानकारी दी जा रही है, यह समय की मांग है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला स्वयं सहायता समूह को विकासखंड तथा रेखीय विभागों के द्वारा विशेष सहायता दी जाएगी। इसके लिए ग्राम सभा स्तर पर कार्य योजना बनाई जाएगी।

उन्होंने प्रत्येक घर के आगे किचन गार्डन बनाने के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए मनरेगा के तहत भूमि सुधार योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत सहायता दी जाएगी। खंड विकास अधिकारी प्रेम राम ने बताया कि विकासखंड कार्यालय जलवायु आधारित कृषि करने वाले महिला स्वयं सहायता समूह को भरपूर सहयोग देगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आजीविका समन्वयक हरेंद्र सिंह पंवार ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के कौशल विकास के लिए इस प्रशिक्षण को आयोजित किया गया है।

इस अवसर पर सहायक प्रसार कृषि एवं पशुपालन महेंद्र सिंह के द्वारा जलवायु आधारित कृषि पर जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मौसम में आ रही परिवर्तन के कारण अब हमें अपनी बुवाई 10 से 15 दिन पहले कर देनी चाहिए। इससे हमें अच्छी फसल प्राप्त हो सकती है। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी विजेंद्र सिंह महर, वित्त सहायक अभिषेक सौरभ, बिजनेस प्रमोटर कमलेश जोशी, मनोज बागड़ी, दिव्या आर्य, रविंद्र सिंह, एनआरएलएम ज्योति आदि मौजूद रहे।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोसायटी एरिया निवासी राम स्वरूप सिंह ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा अपने घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। वहीं शीशमबाडा निवासी वीर सिंह ने भी अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा सहसपुर थाने में दर्ज कराया। इसके साथ ही सिरमौर पॉवटा साहिब निवाी कुलवंत सिंह से विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि वह किसी काम से कुल्हाल आया था तथा वहां से उसकी मोटरसाईकिल चोरी हो गयी। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिवस युवा अधिकार दिवस के रूप में मनाया

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा का जन्मदिन युवा अधिकार दिवस के रूप में मनाया।

आज यहां राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के नेहरू कॉलोनी देहरादून स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष सौरभ आहूजा के नेतृत्व में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर युवा अधिकार दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर सौरभ आहूजा ने कहा कि एनसीपी युवा के अध्यक्ष धीरज शर्मा के नेतृत्व में दल प्रत्येक राज्य में आगे बढ़ रहा है। उनके सानिध्य एवं दिशा निर्देश में देवभूमि उत्तराखंड में संगठन आम जनमानस के हितों के लिए निरंतर संघर्षरत है व भाजपा सरकार की गलत नीतियों को

उजागर करता रहेगा। आने वाले समय मे संपूर्ण उत्तराखंड में राज्य निर्माण की मूल भावना जिनके लिए राज्य निर्माण हुआ उनके अनूरूप कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ आहूजा व कई पदाधिकारी मौजूद थे जिनमे विवेक सिंह, अमित गुप्ता, आशीष भट्ट, श्रीओम पांडेय, अरविंद, अंकित, अनिल आदि मौजूद थे।

केवि आईएमए के छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

संवाददाता

देहरादून। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भारतीय सैन्य अकादमी के छात्र-छात्राओं ने प्रेमनगर व आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया।

आज यहां वेस्ट वॉरियर एनजीओ द्वारा आयोजित ग्रीन गुरुकुल प्रतियोगिता में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भारतीय सैन्य अकादमी के छात्र छात्राओं ने मेंटर पीयूष निगम के मार्गदर्शन में बढ़-चढ़ कर 10 प्रतियोताओं में भाग लिया। प्राचार्य माम चन्द की प्रेरणा से सभी प्रतियोगिताएँ सम्भव हो सकीं। इस संदर्भ में विद्यालय के 50 छात्र- छात्राओं ने शिक्षिका अनुजा हांडा व अंजली सती के संरक्षण में एक स्वच्छता रैली का आयोजन किया। रैली में विद्यार्थियों ने प्रेम नगर मार्केट से सब्जी मंडी तक स्वच्छता के नारे लगा

कर लोगों को अपने आस पास स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया। छात्रों ने विद्यालय के आस पास के इलाकों को साफ किया और लोगों को स्वच्छता का महत्त्व समझाने के लिए प्रेम नगर चौराहे पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया तथा साथ ही लोगों को गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग फेंकने हेतु प्रेरित किया जिसे जनता ने खूब सराहा और बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया। इस स्वच्छता अभियान में विद्यालय के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों का साथ दिया तथा अभियान सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

आभासी दुनिया के अर्धसत्य

ज़माना जब से सोशल मीडिया का हुआ है, वर्चुअल वर्ल्ड पर इनसानी हरकतें एक नए दौर में पहुंच गयी हैं। हस्ती का सबूत आपकी पोस्ट को मिलने वाले कमेंट और वगैरह-वगैरह से मापा जाने लगा है। आपकी प्रोफाइल पिक पर सैकड़ों लाइक और दर्ज़नों कमेंट न आएं तो खुद पर शक हो जाना लाज़िमी है। मेरा एक बचपन का दोस्त पासपोर्ट साइज की फोटो बनाने वाले से इसलिए भिड़ गया कि उसकी शक्ल ख़राब और टेढ़ी आयी थी। बन्दे ने ऐसी तोड़फोड़ मचाई कि फोटो स्टूडियो हफ्ते भर बंद रहा।

बीते कुछ दिनों में सोशल मीडिया न केवल बहुत ज़िम्मेदार हुआ है अपितु जनसेवा के कार्यों में भी आगे निकल रहा है। ज़िन्दगी कष्ट में बीत रही थी लोगों की। इस देशभक्त या इस मां को कितने लाइक टाइप की फोटुएं धड़ाधड़ शेयर हो रही हैं। जनता का दिल कितना बड़ा है, इसी से समझ आ जाता है जब वो किसी मासूम बच्चे की फोटो शेयर करके बोलते हैं कि फेसबुक हर शेयर का कुछ रुपया इसके इलाज़ में खर्च करेगा। वैसे जेब से एक फूटी कौड़ी ना खर्च करने की कंडीशन हो तो ज़माना आज भी नहीं बिगड़ा है, अदरवाइज़ पूरे एक ज़माने से ज़माना बिगड़ा पड़ा है। इस बीच लोगों ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया देश के लिए कुछ नहीं कर रहा। सोशल मीडिया के कर्णधारों से ये नहीं सहा गया। उन लोगों ने अगले चुनावों से लेकर बड़े से बड़े आतंकवादी का फैसला चुटकी बजाते कर दिया। आप इनको अगली बार प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं। हां के लिए लाइक और न के लिए कमेंट करें। और सहमत हों तो शेयर करें। ऐसी फोटो पर भी लाखों कमेंट और लाइक। हज़ारों शेयर भी। इसी तरह के न जाने कितनी समस्याएं कमेंट-लाइक-शेयर के फलदायी तूफ़ान ने यों चुटकी बजाते हुए हासिल की हैं। भविष्य में युद्ध इसी टाइप से लड़े जा सकते हैं। यही सब चल रहा है आजकल, आगे भी चलता रहेगा।

बार-बार डकार आती है!

कुछ भी खाने के बाद डकार आना डाइजेशन के प्रोसेस का एक अहम हिस्सा है, लेकिन बार-बार डकार आने के पीछे कई दूसरे कारण भी हो सकते हैं। बार-बार डकार आने से ऐसिड रिफ्लेक्स, ऐसिडिटी और कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

कई लोग जल्दी-जल्दी, बड़े-बड़े कौर लेकर खाते हैं। इसके कारण डाइजेशन पर असर पड़ता है और ज्यादा डकार आती है।

खाते समय या जम्हाई लेते समय ज्यादा मुंह खोलने से पेट में ज्यादा हवा चली जाती है। इससे बार-बार डकार आ सकती है।

डाइजेशन खराब होने के कारण कब्ज या बदहजमी की प्रॉब्लम हो जाती है। इससे पेट में गैस बनने लगती है और डकार आती है। डाइजेशन में मदद करने वाले कुछ बैक्टीरिया पेट में मौजूद होते हैं। इनका बैलेंस बिगड़ने पर भी गैस बनती है और डकार आती है।

पेट खाली होने के कारण पेट की खाली जगह में हवा भर जाती है। यह हवा डकार के जरिए बाहर निकलने की कोशिश करती है।

कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, जंक फूड, गोभी, मटर, दालें जैसे कई फूड पेट में गैस बनाते हैं। इन्हें खाने-पीने के बाद भी ज्यादा डकार आती है।

स्मोकिंग करने वाले सिगरेट के धुएं के साथ ढेर सारी हवा अंदर खींचते हैं। पेट में भरी यह हवा डकार के जरिए बाहर निकलती है।

अच्छे से फिट नहीं होने के कारण नकली दांतों के बीच गैप बन जाता है। कुछ खाने-पीने के दौरान ज्यादा हवा पेट में चली जाती है और इससे भी बार-बार डकार आने की समस्या होती है।

कई बार स्ट्रेस और टेंशन के कारण कुछ लोग ओवरईटिंग कर लेते हैं जिससे डाइजेशन की प्रोसेस स्लो हो जाती है। इससे भी बार-बार डकार आती है।

पेट की कुछ बीमारियां जैसे- लैक्टोज इन्टॉलरेंस, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, अल्सर जैसी बीमारियों के कारण गैस बनती है और डकार आती है।

लंबे वक्त तक डिप्रेशन रहने से जा सकती है याद्दाश्त

मौजूदा वक्त में तनाव जीवन का एक अहम हिस्सा बनता जा रहा है। इससे चाहकर भी व्यक्ति पीछा नहीं छुड़ा पाता, लेकिन लंबे वक्त तक रहने वाला डिप्रेशन आपकी याद्दाश्त की क्षमता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है।

एक नए शोध में इसका खुलासा हुआ है। शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि जो व्यक्ति लगातार तनाव से ग्रसित रहते हैं उन्हें स्पेशियल (स्थानिक) स्मृति की परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानिक स्मृति मस्तिष्क का वह भाग है जहां विभिन्न जानकारी एकत्रित होती हैं। इसके साथ ही लंबे समय तक तनाव से व्यक्ति में सामाजिक परिहार की भावना विकसित होता है। ऐसा व्यक्ति मित्रों, परिवार और समाज से उन्मुख होने लगता है।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान दिमाग में औसत दर्जे का परिवर्तन पाया और इनमें सूजन का सबूत मिला। जो बाहरी तनाव की वजह से हुआ था। यह शोध तनाव और मूड की समस्याओं के पीछे के रहस्यों को उजागर करने के लिए किया गया। इसके नतीजे उन लोगों के लिए मददगार हो सकते हैं जो तनाव, अवसाद, सदमा आदि समस्याओं से ग्रसित हैं। यह शोध न्यूरोसाइंस में प्रकाशित हुआ है।

ऑफिस में किसी से शेयर न करें ये बातें

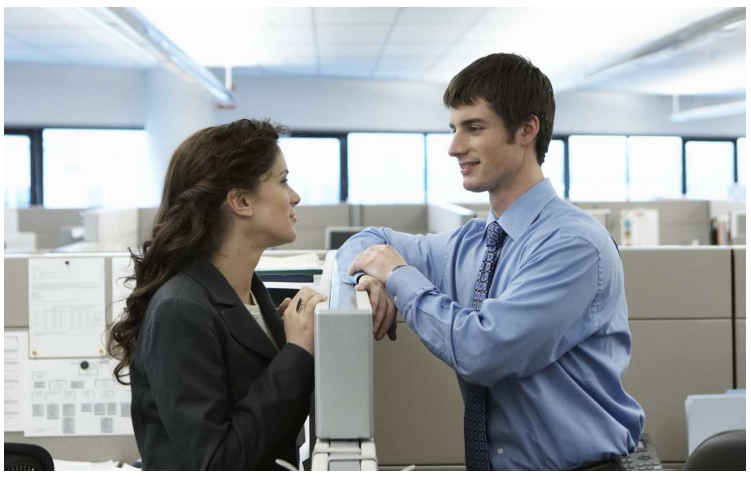

एक आम इंसान अपनी जिंदगी का करीब एक-तिहाई हिस्सा दफ्तर में बिताता है। जाहिर है ऐसे में ऑफिस में साथ काम करने वालों से एक रिश्ता बन ही जाता है। कुछ ऑफिस के साथी अच्छे दोस्त बन जाते हैं तो कुछ से प्रतिस्पर्धा भी होती है। ऑफिस के साथी अक्सर सुख-दुख में काम भी आते हैं। हम दफ्तर के साथियों के साथ कई बातें शेयर भी करते हैं। हालांकि दफ्तर में साथियों से अच्छा रिश्ता बनाए रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। बेमतलब की बहस, अपनी अच्छी छवि बनाने और प्रोफेशनल रिश्ता कायम रखने के लिए यह जानना जरूरी है कि अपने साथियों के साथ कैसे और कौन सी बात की जाए। आइए आपको बताते हैं कि कुछ ऐसी बातें जो ऑफिस के साथियों के साथ शेयर न करना ही बेहतर है।

आपकी पर्सनल बातें

ऑफिस में लोग काम करने आते हैं और उन्हें आपकी निजी बातों से लेना-देना नहीं होता। बेहतर है कि अपने परिवार या रिश्तों से जुड़ी जानकारी आप खुद तक ही रखें। जाहिर है ऑफिस के साथी आपकी घरेलू जिंदगी के बारे में थोड़ा-बहुत तो जानते ही हैं लेकिन अपनी अंतरंग बातें जैसे पारिवारिक या रिलेशनशिप के झगड़े, पैसे की परेशानी या काम के बाहर के दोस्तों से जुड़ी बातों को ऑफिस में शेयर करना सही नहीं है। याद रखिए जो बात आपके जीवन के लिए कोई बेहद मायने रखती है, वह दूसरों के लिए सिर्फ गॉसिप का विषय हो सकती है।

काम या कंपनी को लेकर शिकायत

हर कर्मचारी को कंपनी या काम से कुछ न कुछ शिकायत होती है और छोटी-मोटी बातें साथियों के साथ बात करके ठीक भी की जा सकती हैं। हालांकि अगर आप कंपनी या काम से बहुत असंतुष्ट हैं तो साथियों से इस बारे में बात करने के बजाय अपनी बात सही तरीके से उचित अधिकारियों तक पहुंचाना बेहतर विकल्प है। बार-बार शिकायत करना आपके साथियों के मन में आपके प्रति सवाल पैदा करता है और एक और कर्मचारी के तौर पर आपकी इमेज खराब होती है।

दूसरे साथियों के बारे में आपकी राय

अक्सर ऑफिस में दो लोगों के बीच बातचीत का सबसे पसंदीदा विषय कोई तीसरा साथी होता है। याद रखिए अगर कोई सहकर्मी आपसे किसी और के बारे में बात कर रहा है या शिकायत कर रहा है तो संभव है कि वह आपके बारे में भी ऐसा करता होगा। किसी के भी सामने अपने सहकर्मी के बारे में कोई नेगेटिव राय जताने से बचें क्योंकि यह बाद में आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती है। अगर ऑफिस में किसी के काम या व्यवहार से आपको समस्या है तो इस बात को किसी अन्य साथी के बजाय बॉस के सामने रखना बेहतर होगा।

अपनी सोशल नेटवर्किंग लाइफ

आजकल जमाना सोशल नेटवर्किंग का है और आपकी ऑनलाइन गतिविधियां ऑफिस में चर्चा का विषय बन सकती हैं। अपनी सोशल नेटवर्किंग लाइफ को अपनी प्रोफेशनल लाइफ से अलग रखें। आपके स्टेटस या ब्लॉग पर आपके विचार से लोग ऑफिस में आपके बारे में धारणा बना सकते हैं। ऑफिस या काम से जुड़ी बात तो सोशल नेटवर्क पर बिल्कुल शेयर न करें और संभव हो सके तो ऑफिस के दोस्तों को सोशल नेटवर्क पर दोस्त बनाने से बचें।

आपकी कमाई और खर्च

भले ही हर कंपनी अपने कर्मचारियों को एक-दूसरे को सैलरी बताने से मना करती है लेकिन अक्सर लोगों को यह बात पता चल ही जाती है। फिर भी खुलकर अपनी सैलरी या कमाई पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। साथ ही अपने इस हफ्ते कितनी शॉपिंग की या छुट्टियां कितने महंगे होटल में बिताई जैसी डीटेल्स ऑफिस में बताने की जरूरत नहीं है।

वीकेंड की मस्ती

कल तो मैंने इतनी पी ली थी- अक्सर लोग दफ्तर में ऐसी कहानियां सुनाते मिल जाते हैं। लोग भले ही आपकी पिछली रात या वीकेंड की मस्ती और आज के हैंगओवर की कहानी सुनकर मजे लेते हों लेकिन इससे आपकी छवि बिगड़ती ही है। इससे आपके साथियों के बीच आप पर भरोसा कम होता है और आपकी प्रोफेशनल छवि कमजोर होती है।

सिरदर्द और माइग्रेन से निजात पाने के लिए कुछ आसान उपाय

मौजूदा समय में भागदौड़ से भरी जिंदगी के चलते लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस भागदौड़ के चलते तनाव का बढ़ना एक आम समस्या है। तनाव से सिर दर्द की समस्या भी होती है लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। माइग्रेन उम्र के किसी भी पड़ाव में हो सकता है लेकिन, आप कुछ घरेलू और आसान उपाय अपनाकर इस बीमारी के दर्द से राहत पा सकते हैं।

अगर आप सिरदर्द या माइग्रेन के शिकार हैं तो हो सकता है कि इसका कारण आपके सोने के गलत पैटर्न हों।

-अच्छी नींद के लिए शांत वातावरण का होना जरूरी है। सोने से पहले लाइट को बंद करें। कमरे को अंधेरा करके और शांत वातावरण में सोना चाहिए।

- टेम्परेचर थेरेपी को अप्लाई करें। गर्म और ठंडा सेक अपने सिर और गर्दन के पास लें। आइस पैक का इस्तेमाल भी कर सकते है, जिससे दर्द में राहत मिल सकती है। हीटिंग पैड्स तनावग्रस्त मांशपेशियों में राहत प्रदान करते हैं।

- कैफीनयुक्त पेय का इस्तेमाल करें। शुरुआती अवस्था में माइग्रेन के दर्द में कैफीन का कम मात्रा का सेवन भी राहत प्रदान करता है।

- माइग्रेन के दर्द के चलते नींद में काफी दिक्कत आती है। सोने के समय का ध्यान रखें। नियत समय पर जागें और नियत समय पर सोने की कोशिश करें। यदि आप दिन के समय लेटते हैं तो इस अवधि को कम रखने की कोशिश करें।

- बेहतर नींद के लिए खुद को रिलैक्स करने की कोशिश करें। सॉफ्ट म्यूजिक को सुनें, मनपसंद किताब को पढें। रात को सोने से पहले अधिक एक्सरसाइज, भारी भोजन, कैफीन, निकोटिन और अल्कोहल का सेवन न करें।

- भटकाव को हावी न होनें दें। बिस्तर पर सोने के दौरान टीवी देखने और दस्तावेजी काम को न करें।

- जबरदस्ती सोने की कोशिश न करें। नीदं आने के लिए कुछ पढ़ें और अन्य रुचिकर कार्य करें।

-खानपान की आदतें भी माइग्रेन को प्रभावित करती हैं। भोजन करने के समय का ध्यान रखें।

- भोजन न करना अधिक नुकसानदेह हो सकता है। यदि आप देर तक भोजन नहीं करते हैं तो माइग्रेन का रिस्क बढ़ जाता है।

बच्चों के लिए मैदान में खेलना जरुरी

खेल से बच्चों का संपूर्ण विकास होता है। अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के लिए मैदान में खेलना बहुत ही जरुरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नही होगा न ही वह सक्रिय रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नहीं आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या लाभ हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं।

आजकल देखा गया है कि बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नही होते। ऐस में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजे। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

टीम वर्क में आपका बच्चा सीखता है कि किस प्रकार टीम की विजय में योगदान दिया जा सकता है।

जब बच्चें किसी भी तरह का कोई खेल खेलते है तो उनके शरीरिक गतिविधि तो होती ही है साथ में उनके सिर के अंदर का जो अंग है उसका विकास होता भी है जो आपके बच्चे को जल्दी सीखने और बढ़ने में सहायक होता है।

खेलों से शारीरिक विकास

खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से मांसपेशियों का विकास होता है। स्वस्थ हड्डियों और मांसपेशियों के अच्छे विकास के लिए आपको बच्चे को किसी भी तरह का खेल खालने के लिए उत्साहित करना चाहिए।

इम्यूनिटी के लिए स्पोर्ट्स फायदेमंद हैं

जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ती है। इसके अलावा बच्चे को खुली हवा में छोड़ना अच्छा होता है ताकि उसे अपने आसपास के माहोल का भी पता लगेगा।

आपको अपने बच्चो को बताना चाहिए कि जीतना और हारना जीवन का हिस्सा है तथा आपका बच्चा इसे खेल की उन गतिविधियों के माध्यम से सीखता है जिसमें वह हिस्सा लेता है।

खेल की गतिविधियों से शारीरिक सहनशीलता बढ़ती है, क्योंकि प्रत्येक गेम आखिरी तक खेला जाता है जिससे आपका बच्चा सीखता है कि अधिक समय तक गर्मी में कैसे रहा जाता है।

खेल खिलाड़ी की सहनशीलता के लिए चुनौती के समान होता है।अगर आपका बच्चा इस प्रकार के खेलों में सहभागी हो ताकि उसकी सहनशीलता बढ़ सके। शारीरिक गतिविधियों में ताकत ही सब कुछ होती है।

प्रभास की सालार को सेंसर बोर्ड से मिला ए सर्टिफिकेट, लगभग 3 घंटे की होगी फिल्म

दिसंबर का महीना बिग बजट फिल्मों के लिहाज से काफी खास है। एनिमल और सैम बहादुर के बाद अब फैंस की नजर प्रभास की मेगा बजट फिल्म सालार पर है, जो कि कुछ ही दिनों में थिएटर्स में एंट्री लेने वाली है। फिल्म एक्शन सीक्वेंस से भरपूर है। कुछ सीन्स लोगों की भावनाओं को आहत न करें, इसके लिए सेंसर बोर्ड ने सालार पर कैंची चला दी है। प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी सालार- पार्ट 1- सीजफायर अगले हफ्ते के शुक्रवार को रिलीज हो रही है। एक्शन से भरपूर इस मूवी को लेकर सोशल मीडिया पर बज बरकरार हैं। फिल्म का ट्रेलर कुछ दिनों पहले रिलीज किया गया, जिसे फैंस का मिक्स रिएक्शन मिला है। मल्टी लैंग्वेज में रिलीज होने वाली इस फिल्म में कुछ सीन हैं, जिसकी वजह से सेंसर बोर्ड को इस पर कैंची चलानी पड़ी है। मेकर्स की ओर से शेयर की गई इन्फॉर्मेशन के मुताबिक, सालार को ए सर्टिफिकेट मिला है। मूवी का टोटल रनटाइम 2 घंटा 55 मिनट है। फिल्म में कुछ इंटेंस फाइट सीक्वेंस और टेरिफाइंग वायलेंस सीन्स हैं। ऐसे में मूवी को ए सर्टिफिकेट से नवाजा गया है, जिसका मतलब है कि ये फिल्म 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए नहीं है। फिल्म सालार का बॉक्स ऑफिस पर शाह रुख खान की डंकी से बॉक्स ऑफिस क्लैश होगा। डंकी राजकुमार हिरानी के डायरेक्शन में बनी कॉमेडी और सोशल मैसेज देने वाली फिल्म है। जबकि, सालार का जॉनर इसके बिलकुल उलट है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सर्दियों में जूस पीना सेहत के लिए कितना सही ?

कुछ लोगों का मानना है कि सर्दी में जूस पीना सही नहीं रहता है। ठंड लग जाती है लेकिन आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताएंगे कि क्या यह सोच सही है? अगर जूस पीने का सोच रहे हैं तो इसका सही वक्त क्या है? हर मौसम में फ्रूट जूस पीना फायदेमंद होता है। सर्दी के मौसम में शरीर की हाइड्रेशन और एनर्जी के लिए ज्यादातर लोग जूस पीना पसंद करते हैं। फ्रूट जूस को पोषक तत्वों का भंडार भी कहा जाता है। इसमें कई तरह के विटामिंस, मिनिरल्स, कार्बोहाइड्रेट, एंटीऑक्सीडेंट्स मिलते हैं। फलों में पाया जाने वाला हेल्दी फैट दिल की सेहत को दुरुस्त रखता है।

जूस भी फायदेमंद होता है लेकिन जूस से फाइबर और कुछ अन्य माइक्रोन्यूट्रेंट्स निकल जाने की वजह से इसे ज्यादा पीना भी नुकसानदायक हो सकता है। फलों में फ्रक्टोज भी प्रचूर मात्रा में मिलता है। यह एक तरह का शुगर है। यही कारण है कि ज्यादा जूस पीने से डायबिटीज की समस्या बढ़ सकती है। गर्मियों में तो ज्यादा जूस पीना ज्यादा ही खतरनाक हो सकता है। इसलिए जूस पीने का सही समय और सही मात्रा जान लेना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। हेल्थ एक्सपर्ट से जानिए।।।

फ्रूट जूस क्यों नुकसानदायक

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, जूस में काफी ज्यादा मात्रा में कैलोरी पाई जाती हैं। एक कप जूस में ही 117 कैलोरी और करीब 21 ग्राम शुगर मिलता है। फ्रक्टोज की मात्रा में इसमें ज्यादा होती है। यही कारण है कि ज्यादा जूस पीने से शरीर में निगेटिव असर भी हो सकते हैं।

फ्रूट जूस ज्यादा पीने से क्या होगा

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि चूंकि जूस में फ्रूट शुगर ज्यादा पाया जाता है। इसलिए जब भी इसका ज्यादा सेवन करते हैं तो शुगर की मात्रा बढ़ सकती है। इससे डायबिटीज की समस्या बढने का खतरा रहता है। ज्यादा फ्रूट जूस पीने से दांतों में कीड़ें भी लग सकते हैं। यह लिवर को भी सही तरह से हाइड्रेट नहीं रख पाता। यही वजह है कि गैस्ट्रिक के मरीजों के लिए यह काफी नुकसानदायक होता है।

एक दिन में कितना जूस पीना चाहिए

अब बात की एक दिन में कितना जूस पीना चाहिए। इसको लेकर हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि फलों से जूस बनने के बाद इसमें से फाइबर निकल जाता है और फ्रक्टोज की मात्रा भी बढ़ जाती है। इसलिए एक इंसान को दिन में सिर्फ एक गिलास जूस ही पीना चाहिए। इससे ज्यादा जूस पीने से नुकसान हो सकता है। भले ही इसका असर तुरंत न दिखे लेकिन कई बार ऐसा होने पर कई तरह के साइड इफेक्ट्स दिखने लगते हैं।

दिन में जूस पीने का राइट टाइम क्या है

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, कुछ लोगों की आदत होती है कि वे सुबह उठते ही जूस पीते हैं या रात में सोने से पहले इसे लेते हैं लेकिन यह सही तरीका नहीं है। सुबह-सुबह जूस पीने से बॉडी का शुगर लेवल बढ़ सकता है। इसलिए जूस को ब्रेकफास्ट के बाद पीना चाहिए। ब्रेकफास्ट और लंच के बीच में एक गिलास जूस पीना सबसे राइट टाइम है। खाली पेट जूस पीने की गलती तो कभी नहीं करनी चाहिए। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -035

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

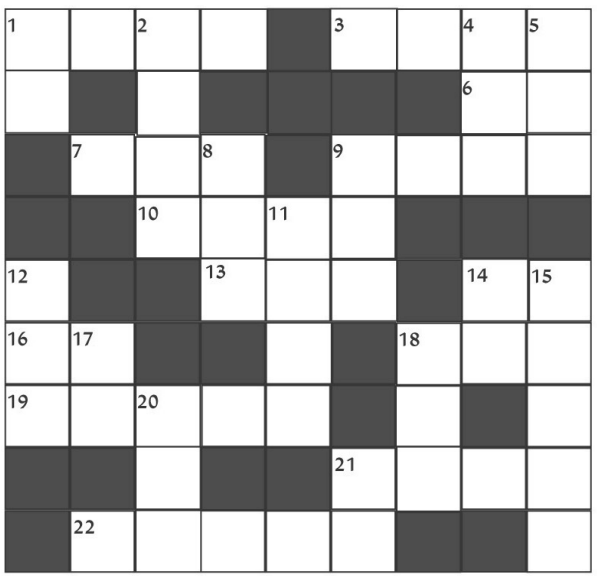

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 34 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

डंकी का तीसरा गाना ओ माही हुआ रिलीज, तापसी पन्नू के प्यार में खोए दिखे शाहरुख खान!

डंकी ड्रॉप 4-ट्रेलर की रिलीज के बाद दर्शकों को आखिरकार राजकुमार हिरानी की बनाई गई एक प्यारी दुनिया की झलक देखने को मिली है. ट्रेलर को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला और यह ट्रेलर 24 घंटों में हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले ट्रेलर में से एक बन गया. अब फिल्म रिलीज के करीब है और इस बीच मेकर्स ने डंकी ड्रॉप 5 यानी फिल्म का तीसरा गाना ओ माही रिलीज हो गया है.

इस जादुई कहानी के अगले चैप्टर को कैद करते हुए, शाहरुख खान और तापसी ने डंकी ड्रॉप 5, ओ माही के साथ बिना शर्त प्यार की एक सिम्फनी पेश की है. ट्रैक हार्डी और मनु के किरदारों के बीच बेमतलब प्यार की ताकत बयां करता है. जो मुश्किल लेकिन जिंदगी बदलने वाले सफर पर निकलते हैं क्योंकि उनके दिल हमेशा के लिए एक दूसरे में जुड़ जाते हैं. उनकी लव स्टोरी की खूबसूरती इस गाने की धुन में कैद है, जो सुनने वालों के दिलों को गहराई से छूती है.

अरिजीत सिंह की आवाज, म्यूजिक उस्ताद प्रीतम की खूबसूरत क्रिएटिविटी, पोएटिक इरशाद कामिल के लिखे गए दिल को छूने वाले लीरिक्स और वैभवी मर्चेंट की शानदार कोरियोग्राफी के साथ, डंकी ड्रॉप 5-ओ माही एक विजुअल और म्यूजिकल ट्रीट है. गाना खूबसूरत रेगिस्तानी इलाकों के बैकग्राउंड पर फिलमाया गया है, जो हार्डी और मनु के बीच के एवरग्रीन रोमांस को दिखाता है और साथ ही उनकी ट्रांसफॉर्मेटिव जर्नी के स्ट्रगल को भी हाइलाइट करती है.

बता दें कि रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म डंकी को राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया है. फिल्म इसी क्रिसमस पर 21 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है. फिल्म में शाहरुख खान के साथ-साथ बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर भी अहम किरदार में नजर आए थे.

आज के युवाओं के साथ गहराई से मेल खाती है फिल्म खो गए हम कहां: सिद्धांत चतुर्वेदी

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी अगली फिल्म खो गए हम कहां की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह फिल्म आज के युवाओं के साथ गहराई से मेल खाती है और यह रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करती है।

सिद्धांत ने कहा, खो गए हम कहां मेरे लिए एक फिल्म से कहीं ज्यादा है। यह आज के युवाओं से साथ गहराई से जुड़ती है। विभिन्न रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करते हुए, यह व्यक्तित्व और हमारी पीढ़ी के वास्तविक व्यक्तित्व के बीच नाजुक संतुलन को उजागर करती है।

उन्होंने आगे कहा, यह सिनेमाई यात्रा सोशल मीडिया के बवंडर के बीच दोस्ती की स्थायी ताकत का आनंदपूर्वक समर्थन करती है। तीन अविभाज्य मित्रों के जीवन का अनुसरण करते हुए कहानी तब सामने आती है जब वे अपनी ऑनलाइन पहचान को अपने प्रामाणिक स्वयं के साथ सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करते हैं, उस गहन बंधन की खोज करते हैं जो आधुनिक जीवन की आभासी भूलभुलैया के बीच प्रामाणिकता की उनकी खोज का समर्थन करता है।

सिद्धांत ने कहा कि यह फिल्म युवाओं को चीजों के महत्व को समझने में भी मदद करेगी।

इसके अलावा सबसे दिलचस्प बात यह है कि फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो रही है, यह बिल्कुल वहीं है जहां इन दिनों युवा हैं।

खो गए हम कहां का निर्देशन अर्जुन वरैन सिंह ने किया है। इसमें आदर्श गौरव, अनन्या पांडे और रोहन गुरबक्सानी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह 26 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। खो गए हम कहां तीन सबसे अच्छे दोस्तों इमाद (सिद्धांत चतुर्वेदी), अहाना (अनन्या पांडे) और नील (आदर्श गौरव) की कहानी बताती है जो अपने लक्ष्य, रिश्ते और भावनाओं को एक साथ प्रबंधित करते हैं।

मस्त में रहने का से नीना गुप्ता की शरारतों ने जीता दिल

नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ अपनी फिल्म मस्त में रहने का के लिए चर्चा में हैं। यह फिल्म 8 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है।विजय मौर्य द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने अनोखे नाम की वजह से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही थी। फिल्म को विजय ने पायल अरोड़ा के साथ लिखा है।फिल्म के नाम से ही इसका संदेश समझ में आता है। आपको बताते हैं कि यह संदेश देने में फिल्म कितनी सफल हुई।

फिल्म में 2 कहानियां समानांतर चलती हैं, जिनमें कई जिंदगियां शामिल है। हर किसी की अपनी दुनिया और अपने संघर्ष हैं।बुजुर्ग कामत (जैकी) अपने घर में अकेले रहते हैं। अकेले होने के कारण उन्होंने 12 साल से किसी से बात नहीं की है। उनकी बेरंग जिंदगी में मिसेज हांडा (नीना) दोस्ती का रंग लेकर आती हैं। हांडा कनाडा में अपने बच्चों के साथ रहती हैं और हाल ही में भारत वापस आई हैं।

दूसरी ओर नन्हे (अभिषेक चौहान) और रानी (मोनिका पंवर) की कहानी है। नन्हे अपने गांव से भागकर मुंबई आया है, लेकिन मायानगरी के कभी न खत्म होने वाले चक्रव्यूह में फंस जाता है। मजबूरी में वह अकेले रहने वाले बुजुर्गों के घर में चोरी करने लगता है।नन्हे को सिग्नल पर भीख मांगने वाली रानी से प्यार हो जाता है। उसे करीब से जानने पर रानी की जिंदगी के अन्य पहलू सामने आते हैं।

फिल्म में नीना के मसखरे अंदाज ने दिल जीत लिया। इस उम्र में बच्चों-सी मासूमियत और शरारत को पर्दे पर उतारने का उन्होंने कमाल का काम किया है।जैकी हर दृश्य में गंभीरता परोसते हैं। वह आंखों से ही बुजुर्गों के जीवन में पसरे सन्नाटे को बयां कर जाते हैं। भावुक दृश्यों में उनका अभिनय रोंगटे खड़े करने वाला है।नन्हे के किरदार में अभिषेक और रानी के किरदार में मोनिका अपना हुनर साबित करते हैं।

फिल्म में राखी सावंत का भी छोटा-सा किरदार है। हालांकि, वह ऑफ कैमरा भी इतना अभिनय कर चुकी हैं कि कैमरे पर उनके पास कुछ नया नहीं है। उनके हिस्से में एक आइटम सॉन्ग है, लेकिन इसमें वह प्रभावित नहीं कर पाईं।

निर्देशक ने फिल्म में कई किरदार रखे हैं। उन्होंने सबको जोडऩे की कोशिश की, लेकिन इन सबको मजबूती से नहीं जोड़ पाए।एक मोड़ पर आकर सभी कहानियां आपस में जुड़ जाती हैं, लेकिन शुरू से इसका होने के कारण यह मोड़ रोमांचक या भावुक नहीं बन पाया।निर्देशक मस्त में रहने का संदेश देना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में यह सकारत्मकता नजर नहीं आती। फिल्म न तो पूरी तरह भावुक करती है, ना ही उम्मीद जगाती है।

कलाकारों के अभिनय के अलावा फिल्म में कुछ बेहतरीन शॉट हैं, जो इसे देखने लायक बनाते हैं।बहुत सारे किरदार और ढीले स्क्रीनप्ले के कारण इसकी कहानी बिखर जाती है। इसे समेटने का काम फिल्म का संगीत करता है। इसका संगीत और इसमें शामिल रैप इसके किरदारों की भावनाओं को कहता है।किरदारों के बीच कुछ गहरे संवाद भी शामिल किए गए हैं। हालांकि, कमजोर निर्देशन के कारण ये भी प्रभावित नहीं करते हैं।

एनिमल के तूफान का डटकर मुकाबला कर रही 'सैम बहादुर'

मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी फिल्म सैम बहादुर दर्शकों पर अपनी गहरी छाप छोडऩे में कामयाब रही है।इसमें विक्की कौशल प्रमुख भूमिका में हैं, जिन्होंने फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ का किरदार निभाया है। इसमें उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है।सैम बहादुर कमाई के मामले में रणबीर कपूर की एनिमल के तूफान के आगे मजबूती से टिकी हुई है।यही वजह है कि फिल्म ने 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।

अब सैम बहादुर की कमाई के 10वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जिसमें बढ़ोतरी देखने को मिली है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रविवार (10वें दिन) को 7.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 56.55 करोड़ रुपये हो गया है।सैम बहादुर में सान्या मल्होत्रा भी हैं, जो अभिनेता की पत्नी सिल्लू मानेकशॉ बनी हैं।इसमें फातिमा सना शेख ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। सैम बहादुर के बाद विक्की इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म डंकी में नजर आने वाले हैं, जो क्रिसमस के खास मौके पर यानी 21 दिसंबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी।यह फिल्म शाहरुख खान, तापसी पन्नू और बोमन ईरानी जैसे सितारों से सजी हुई है।इसके अलावा विक्की फिल्म मेरे महबूब मेरे सनम का हिस्सा हैं। इसमें उनकी जोड़ी तृप्ति डिमरी के साथ बनी है।यह फिल्म अक्टूबर, 2024 तक सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गूगल पर 2023 में सबसे ज्यादा खोजी गई फिल्म जवान

इस साल शाहरुख खान ने न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि विदेशों में खूब धमाल मचाया। उनकी 2023 में आई फिल्मों पठान और जवान ने बॉक्स ऑफिस पर खूब तहलका मचाया।जवान तो कमाई और रिकॉर्ड बनाने के मामले में पठान से भी दो कदम आगे निकली। अब एक और उपलब्धि इससे जुड़ गई है।इस साल गूगल पर जवान को लोगों ने सबसे ज्यादा सर्च किया, वहीं कियारा आडवाणी भारत में सबसे ज्यादा सर्च की गईं अभिनेत्री बनकर उभरी हैं।।

नए साल को आने में कुछ दिनों का समय बचा हुआ है। इस बीच गूगल ने सर्च 2023 का खुलासा कर दिया है, जिसमें शाहरुख की जवान शीर्ष पर है। इस फिल्म को 2023 में लोगों ने सबसे ज्यादा बार सर्च किया।सबसे ज्यादा सर्च की गई शीर्ष फिल्मों में जहां सनी देओल की फिल्म गदर 2 दूसरे स्थान पर है, वहीं शाहरुख की ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान पांचवें स्थान पर विराजमान है।

गूगल की इस सूची में हॉलीवुड फिल्म ओपेनहाइमर तीसरे स्थान पर है, वहीं चौथे स्थान पर प्रभास की फिल्म आदिपुरुष है। सबसे ज्यादा सर्च की गईं फिल्मों में दे केरल स्टोरी, जेलर, लियो, टाइगर 3 और थलापति विजय की फिल्म वारिसु शामिल है।

शाहिद कपूर की वेब सीरीज फर्जी को इस साल भारत में सबसे ज्यादा खोजा गया है। इसके जरिए शाहिद ने ओटीटी पर अपनी शुरुआत की थी। इसमें उनके साथ विजय सेतुपति नजर आए थे।वेब शोज में दूसरे स्थान पर वेडनेसडे तो तीसरे स्थान पर अरशद वारसी की असुर है और चौथा स्थान राणा नायडू को मिला है।इस श्रेणी में द लास्ट ऑफ अस, स्कैम 2003, बिग बॉस 17, गन्स एंड गुलाब्स, सेक्स/लाइफ और ताजा खबर शामिल है।

अभिनेत्री कियारा आडवाणी जो लगातार हिट और प्रशंसित फिल्मों के साथ अपनी लोकप्रियता के मामले में आगे बढ़ रही हैं, वह भारत में ट्रेंडिंग लोगों की सूची में शीर्ष पर रहीं और उन्होंने शीर्ष ट्रेंडिंग वैश्विक कलाकारों की सूची में भी अपनी जगह बनाई है।2023 में गूगल पर सबसे ज्यादा खोजे गए लोगों में कियारा सबसे ऊपर हैं। इस सूची में पांचवें स्थान पर एल्विश यादव तो छठे स्थान पर कियारा के पति और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा हैं।

घटनाओं से जुड़े समाचार को खोजने के मामले में बॉलीवुड अभिनेता सतीश कौशिक के निधन की खबर भी शामिल है। इसे सूची में चौथा स्थान मिला। बता दें कि अभिनेता इस साल मार्च में 66 वर्ष की उम्र में अलविदा कह गए थे।हर साल के अंत में गूगल ईयर इन सर्च नाम की एक सूची जारी करता है, जिसमें अलग-अलग श्रेणियां होती हैं। इनके जरिए बताया जाता है कि इस साल सबसे ज्यादा किन चीजों को सर्च किया गया।

लाख टके का सवाल लड़ना कैसे है ?

हरिशंकर व्यास

उत्तर भारत के तीन राज्यों के चुनाव नतीजे विपक्ष के लिए चेतावनी की घंटी है। चाहे बिहार में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार हों या उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव हों। सब यह मान कर बैठे थे कि उनको भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति की काट मिल गई है। सब मान रहे थे कि जाति गणना, सामाजिक न्याय और आरक्षण बढ़ाने का मुद्दा इतना बड़ा है कि अब कुछ और सोचने की जरूरत नहीं है। मई में कर्नाटक के नतीजों की कांग्रेस ने भी इसी अंदाज में व्याख्या की। सिर्फ कांग्रेस नहीं तमिलनाडु में सरकार चला रही डीएमके को भी लगा कि जिस तरह 'अहिंदा' समीकरण और बजरंग दल का विरोध करके कर्नाटक में कांग्रेस भाजपा को हरा कर जीत गई उसी तरह तमिलनाडु में भी सनातन विरोध का झंडा बुलंद कर देंगे तो भाजपा को हरा देंगे। तीसरी बात विपक्षी पार्टियों को यह समझ में आ रही थी कि पुरानी पेंशन योजना की घोषणा कर देंगे और मुफ्त की वस्तुएं व सेवाएं बांट देंगे तो चुनाव जीत लेंगे। चौथी बात, विपक्षी नेता समझ रहे थे कि उनके खिलाफ सीबीआई और ईडी की कार्रवाई होने से लोगों में सहानुभूति बनेगी। लेकिन ये सारे अनुमान और सोच गलत साबित हुए हैं।

जाति गिनती का एजेंडा नहीं चला है और न आरक्षण बढ़ाने की बात लोगों के दिमाग में बैठी। पुरानी पेंशन योजना की घोषणा से सरकारी कर्मचारियों के कुछ वोट जरूर कांग्रेस को मिले लेकिन आम जनता के बीच यह मुद्दा क्लिक नहीं हुआ। मुफ्त की चीजें बांटने की घोषणा भी काम नहीं आई क्योंकि भाजपा भी इसकी घोषणा कर रही है। तभी अब विपक्षी पार्टियों को इन नतीजों से झटका तो लगा है लेकिन साथ ही यह भी मैसेज है कि वे मिल कर लडने़ के बारे में सोच सकते हैं। नए एजेंडे पर विचार कर सकते हैं। अपने मुद्दे क्या होंगे, यह सोचना होगा और साथ ही यह भी सोचना होगा कि भाजपा क्या मुद्दा ला सकती है। जिस तरह से कश्मीर में कश्मीरी पंडितों और विस्थापितों के लिए सीट आरक्षित करने वाले विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाक अधिकृत कश्मीर का मुद्दा उठाया और कहा कि पीओके हमारा है। उससे विपक्ष को सावधान होना चाहिए। संभव है भाजपा राष्ट्रवाद का नया मुद्दा उठाए।

सो, कह सकते हैं कि तीन राज्यों के चुनाव नतीजों से विपक्ष को नींद से जगा दिया है। विपक्षी पार्टियों को अब समझ में आ गया होगा कि भाजपा से लडना़ बहुत आसान नहीं है। सीबीआई और ईडी के छापों की मार से बेहाल विपक्ष बेचारा बन कर सहानुभूति नहीं हासिल कर सकता है और न भाजपा के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुद्दा बनाना काम आया। उलटे भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार ने समूचे विपक्ष के बारे में यह धारणा बना दी है कि वह भ्रष्ट है। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाइयों की वजह से सहानुभूति बटोरने की कोशिश कहीं न कहीं पंक्चर हो जा रही है। जैसे अभी झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू और उनके परिवार से जुड़ी कंपनियों पर आयकर का छापा पड़ा तो दो सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी पकड़ी गई। भले मामला कारोबारी हो लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने खुद ट्विट करके इस बारे में बताया कि कैसे विपक्ष की पार्टी के एक नेता लूट कर पैसा जमा किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि जनता से लूटी गई पाई पाई वसूली जाएगी।

असल में पांच राज्यों के चुनाव में उन तमाम मुद्दों की परीक्षा होनी थी, जिनके दम पर लोकसभा का चुनाव लड़ा जा सकता है। विपक्ष के नजरिए से देखें तो सारे मुद्दे बहुत कमजोर साबित हुए हैं। सिर्फ एक चीज है, जो विपक्ष के लिए अच्छी हुई है वह ये है कि इससे एकजुट होकर लडने़ की जरूरत प्रमाणित है। कम से कम राजस्थान में अगर पूरा विपक्ष एक होकर लड़ा होता तो कांग्रेस जीत जाती। भाजपा और कांग्रेस के वोट में सिर्फ दो फीसदी का अंतर था। भाजपा को दो फीसदी वोट ज्यादा मिले थे। कुल 44 सीटें ऐसी थीं, जहां अन्य या निर्दलीय उम्मीदवारों को मिला वोट जीत-हार के अंतर से ज्यादा था। एक आकलन के मुताबिक अगर इन सीटों पर विपक्ष या भाजपा विरोधी पार्टियां एक होकर लड़ी होतीं तो कम से कम 30 अतिरिक्त सीटें कांग्रेस जीत सकती थी। यानी उसे पिछली बार जितनी सीटें मिल सकती थीं। लेकिन कांग्रेस ने न हनुमान बेनिवाल की पार्टी से बात की, न सपा, बसपा और आप से बात की और न भारतीय आदिवासी पार्टी से बात की। अगर इन पार्टियों को कुछ सीटें देकर कांग्रेस ने तालमेल किया होता तो राजस्थान की तस्वीर अलग होती।

मध्य प्रदेश में तो कांग्रेस बहुत ज्यादा वोट के अंतर से हारी है लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस टक्कर दे सकती थी या जीत सकती थी। वहां भी बसपा, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के उम्मीदवारों को ठीक ठाक वोट मिले हैं। सो, पांच राज्यों के चुनाव नतीजों में विपक्ष के सामने यह स्पष्ट हो गया है कि एकजुट होकर भाजपा के हर उम्मीदवार के खिलाफ एक उम्मीदवार उतारने की जो पुरानी योजना है, जिसके लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का गठन हुआ है उस पर अमल किए बिना काम नहीं चलेगा। कांग्रेस और विपक्ष की बाकी सभी पार्टियों के सामने भी यह जरूरत प्रमाणित हो गई है। सो, कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों के लिए दो सबक हैं। पहला तो यह है कि मुद्दों को धार देनी होगी। अगर लोकसभा चुनाव में उन्हीं मुद्दों पर लडना़ है, जिन पर पांच राज्यों में विपक्ष ने चुनाव लड़ा है तो वह पर्याप्त नहीं है। दूसरा सबक यह है कि एकजुट होकर हर सीट पर एक विपक्षी उम्मीदवार उतारना होगा।

स्लिट ड्रेस ईशा गुप्ता ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक बार फिर ईशा गुप्ता का ग्लैमरस लुक इंटरनेट पर धमाल मचा रहा है। ईशा गुप्ता के लेटेस्ट लुक की बात करें तो स्टाइलिश आउटफिट में ईशा गुप्ता कहर ढा रही हैं। स्लिट ड्रेस में ईशा गुप्ता अपना फिगर फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रही हैं।

ईशा गुप्ता के लेटेस्ट लुक की बात करें तो डीप नेक और स्लिट ड्रेस में एक्ट्रेस अपना फिगर फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रही हैं। इंटरनेट पर उनके इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है। ईशा गुप्ता ने डार्क ब्राउन लिपस्टिक लगाई हुई है। खुले बालों और स्मोइक कॉपर आई मेकअप में ईशा गुप्ता बेहद ग्लैमरस लग रही हैं।

ईशा गुप्ता ने व्हाइट लंहगे के साथ लाइट मेकअप कैरी किया हुआ है। ओपन हेयर और लाइट शेड लिपस्टिक में एक्ट्रेस बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। एक्ट्रेस ने लहंगे के साथ लाइटवेट ग्रीन चोकर सेट कैरी किया हुआ है।

ईशा गुप्ता के वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशा ने अपने करियर की शुरुआत इमरान हाशमी के साथ किया था। ईशा गुप्ता कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं लेकिन उन्हें वो मुकाम नहीं मिला है। ईशा पिछले काफी समय से बड़े पर्दे से दूर हैं।

बॉक्स ऑफिस पर रणबीर कपूर की एनिमल की कमाई हुई धीमी

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल को 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।इसमें रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने अपनी उम्दा अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म में उनका खुंखार अवतार देखने को मिल रहा है।यह फिल्म शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई कर रही है। साथ ही फिल्म ने कई रिकॉर्ड भी तोड़े हैं।हालांकि, 11वें दिन फिल्म की कमाई में भारी गिरावट दर्ज हुई।

अब एनिमल की कमाई के 11वें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने सोमवार (11वें दिन) को 13 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 443।27 करोड़ रुपये हो गया है।भारतीय बॉक्स ऑफिस पर एनिमल की कमाई 450 करोड़ रुपये की ओर है तो वहीं दुनियाभर में यह फिल्म 717।46 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

एनिमल में रणबीर की जोड़ी साउथ की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जा रहा है और दर्शकों का खूब प्यार भी मिल रहा है।फिल्म में बॉबी देओल, अनिल कपूर और तृप्ति डिमरी भी हैं।एनिमल की कहानी एक ऐसे बेटे रणविजय (रणबीर) की है, जो अपने पिता बलवीर (अनिल) से बहुत प्यार करता है।पिता के साथ अनबन होने के बावजूद वह उन्हें बचाने के लिए दुश्मनों से लड़ जाता है।

सू- दोकू क्र.035

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.34 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

व्लादीमीर पुतिन की चालें

रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। कहा कि मोदी एक ऐसे मजबूत नेता हैं, जिनके बारे में यह सोचना कठिन है कि वे किसी से डरेंगे। उन्होंने जोड़ा कि मोदी एक ऐसे नेता हैं, जो अपने राष्ट्र हित पर कभी समझौता नहीं कर सकते। कूटनीति विशेषज्ञों ने इस टिप्पणी के समय पर गौर किया है। यह बयान उस समय दिया गया है, जब खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं के मामले में अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बढ़ा रहा है। इस मामले में न्यूयॉर्क के फेडरल कोर्ट में अभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जबकि बड़े अमेरिकी अधिकारियों ने इस बारे में सख्त बयान दिए हैं। इसी सिलसिले में अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक की भारत यात्रा भी हो रही है। इस अवसर पर मोदी की निडरता और राष्ट्र हित के प्रति उनकी निष्ठा की चर्चा अमेरिका के नंबर एक निशाना पुतिन करें, तो जाहिर है, उसके अर्थ निकाले जाएंगे। बहरहाल, व्यवहार में पुतिन लगातार ऐसी नीतियां अपना रहे हैं, जो नरेंद्र मोदी सरकार को कतई पसंद नहीं आएंगी।

चीन से उनकी निकटता को जग-जाहिर है, अब पाकिस्तान के साथ भी रूस की गांठ मजबूत हो रही है। यहां तक कि पाकिस्तान के ब्रिक्स में शामिल होने की अर्जी देने का एलान उसके मास्को स्थित राजदूत ने किया। बताया जाता है कि रूस ने इस प्रयास में समर्थन देने का आश्वासन पाकिस्तान को दिया है। इस पृष्ठभूमि में अगर कूटनीति विशेषज्ञों ने पुतिन की टिप्पणी को प्रधानमंत्री मिजाजपुर्सी के रूप में देखा है, तो ऐसा करने का आधार बनता है। पिछले कुछ समय से रूस और चीन की रणनीति यह रही है कि भारत को अमेरिकी खेमे में जाने से जिस हद तक रोकना संभव हो, उतना किया जाए। इसके तहत चीन भी सार्वजनिक बयानों में मोदी या भारत के खिलाफ सख्त टिप्पणियों से बचता रहा है, जबकि सीमा पर उसका व्यवहार बिल्कुल उलट है। संकेत हैं कि पुतिन भी उसी रणनीति का पालन कर रहे हैं। चूंकि भारत रूस का एक बड़ा बाजार भी है, तो पुतिन ने अधिक सकारात्मक जुबानी रुख अपनाया हुआ है। (आरएनएस)

काबुल हाउस के फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। काबुल हाउस के फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमरा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईसी रोड करनपुर पुलिस चौकी के बगल पर भूमि जो करनपुर पुलिस चौकी के पीछे वाली भूमि जो पूर्व काबूल के अमीर याकूब की सम्पत्ति थी, जो 1876 में बिट्रिश सरकार की तरफ से दी गयी थी। यह भूमि याकूब के वारिसों के नाम दर्ज चली आ रही थी। सन 1947 में बंटवारे में याकूब के वारिस पाकिस्तान चले गये थे. जिसके बाद इनका हिस्सा कस्टूडियन सम्पति (शत्रु संपति) घोषित हुआ। वर्ष 2000 में साहिद और खालिद पुत्र तथाकथित अब्दुल रज्जाक, निवासी ढोलीखाल, जनपद सहारनपुर ने इस भूमि को (अब्दुल रजाक की खेवट-47) अपने नाम अंकित करवाया उसके बाद इन दोनो ने इस भूमि की पावर ऑफ अटोर्नी मौहमद आरिफ खान पुत्र शफात अली खान निवासी शामली को दी। इस भूमि पर विवाद होने के उपरान्त कब्जाधाकरियो की याचिका पर उच्च न्यायालय ने याचिका का निस्तारण करते हुए याचिकाकर्ताओ को अपना पक्ष जिलाधिकारी देहरादून/असिस्टेन्ट कस्टूडियन के समक्ष रखने हेतु आदेशित किया और सम्पति पर यथास्थिति बनाये रखने का आदेश दिया था। लेकिन मौहमद आरिफ खान पुत्र शफात अली खान निवासी शामली, भगवती प्रसाद उनियाल पुत्र रामकिशन उनियाल आदि ने कटूरचित दस्तावेज विक्रय पत्र आदि तैयार कर इस भूमि को करीब 30 लोगो को सन 2017 में बेच दिया। खरीदने वालो नें इसके पश्चयात इस भूमि पर कब्जा कर निर्माण किये। वर्ष 2018 में इस्लामुद्दीन अंसारी पुत्र स्व०समशुद्दीन, द्वारा इस जमीन के बाबत शिकायत जिलाधिकारी देहरादून को दी थी, जिलाधिकारी देहरादून द्वारा जाँच कराकर 2019 में उक्त प्रकरण में अपर जिलाधिकारी न्यायालय देहरादून द्वारा 20 नवम्बर 2021 को शाहिद, खालिद की विरासत खारिज कर दी थी। भूमि प्रकरण में उच्च न्यायालय नैनीताल का आदेश पारित होने के बाबजूद शाहिद, खालिद, आरिफ खान, भगवती प्रसाद उनियाल आदि में षडयन्त्र के तहत कस्टूडीयन/सरकारी सम्पत्ति को कूटरचित दस्तावेजो के आधार पर तथा सम्पति को गैर कानूनी तरिके से स्वामित्व की सम्पति दर्शित करते हुए शाहिद व खालिद पुत्रगण अब्दुल रजाक निवासी ढोली खाल सहारनपुर उत्तर प्रदेश, को अब्दुल रज्जाक का पुत्र और वारिस दर्शाते हुए मिलीभगत करके अभिलेखो में अपनी विरासत दर्ज करवायी। इसके पश्चात इनके द्वारा कूटरचित मुख्तारनामाआम तैयार कराकर उक्त सरकारी सम्पति पर अध्यासित भगवती प्रसाद उनियाल आदि से मिलीभगत करके कूटरचित विक्रय पत्र भगवती प्रसाद उनियाल व अन्य लोगो के पक्ष में तैयार कराये गये। पुलिस ने चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी सब स्टेशन बालावाला के अवर अभियंता योगेन्द्र प्रसाद नौटियाल ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने नकरौदा रोड गुल्लरघाटी में अरविन्द उनियाल के यहां पर छापा मारा तो वहां पर कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड लिया। वहीं अवर अभियंता सीआर पुरोहित ने डोईवाला कोतवाली में शहिद द्वार डोईवाला निवासी सत्य गोपाल के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पाषर्दो व नगर निगम कर्मचारियों पर...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मारने की कोशिश भी की गयी थी। जो सीसीटीवी फुटेज में सभी ने देखा उसके बाद उल्टा उसके ऊपर ही 307 का मुकदमा दर्ज कर दिया गया था जो बाद में हाईकोर्ट ने हटा दिया था। उन्होंने बताया कि 10 महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस ने अभी तक ना ही किसी को गिरफ्तार किया और न ही अभी तक चार्जशीट दायर कर पायी। जिसमें पुलिस की संलिप्ता भी इस वारदात को अंजाम देने में साफ नजर आती है। प्रवीण भारद्वाज ने बताया कि उसके द्वारा जब इस पूरे संदर्भ में आरटीआई लगाई गयी तब उसको पता चला कि संजय नौटियाल ने सोसाइटी की जमीन पर कब्जे की उसकी शिकायत पर नगर निगम की टीम पहुंची थी उसकी शिकायत पर उसका ही घर तोड दिया गया। जबकि उसका मकान तोडने का कोई आदेश नगर निगम आरटीआई में नहीं दे पाई। उन्होंने कहा कि अब मामला कोर्ट के संज्ञान में आया है जिसमें निगम के कर्मचारी ऋषिपाल सिंह, कुलदीप सरदार, ताराचंद, स्वंयवर दत्त भटट, कार्तिक आदि पर आठ धाराओं में क्रिमिनल केस दर्ज हो गया है। अभी तक उसके द्वारा एसआईटी, डीएम, एडीएम में शिकायत दर्ज की जा चुकी है और सोसाइटी की जो जमीन पार्षद व उनके साथियों द्वारा कब्जाई गई थी उस पर एमडीडीए द्वारा ध्वस्त करने के आदेश जारी हो चुके हैं। लेकिन धरातल पर अभी तक कोई ध्वस्तीकरण नहीं हुआ है। एमडीडीए द्वारा ध्वस्तीकरण के लिए पुलिस फोर्स मांगी गयी लेकिन पुलिस की तरफ से कोई भी फोर्स नहीं दी गयी। उन्होंने बताया कि कब्जे धारी के विरूद्ध आवाज उठाने पर अभी तक उसके व उसके परिवार द्वारा बहुत बडी कीमत चुकानी पडी है। वह अभी तक उसे मानसिक प्रताडना से गुजर रहे हैं। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों का उनको कोई सपोर्ट नहीं मिला अब उनको कोर्ट से उम्मीद है कि जल्द उनको इंसाफ मिल पाएगा।

प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयं सेवकों को आजीविका से जोडने के लिये प्रयास किये जायेंः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभिन्न विभागों में प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयं सेवकों को आजीविका से जोड़ने के लिए प्रयास किये जाएं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में एस.एस.बी. द्वारा प्रशिक्षित राज्य के गुरिल्ला स्वयं सेवकों की समस्याओं को सुना। विभिन्न जनपदों से गुरिल्ला स्वयं सेवक वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभिन्न विभागों में प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयं सेवकों को आजीविका से जोड़ने के लिए प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा कि गुरिल्ला स्वयं सेवकों की जिन समस्याओं का त्वरित समाधान हो सकता है, वे किये जाएं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से भी गुरिल्ला प्रशिक्षकों के लिए मदद के लिए प्रस्ताव भेजकर अनुरोध किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम, निजी सुरक्षा एजेंसियों में सुरक्षा कर्मी, होमगार्ड में प्रशिक्षक, फॉरेस्ट फायर वॉचर, पुलिस विभाग के अन्तर्गत ग्राम चौकीदार, लोक निर्माण विभाग में विभिन्न कार्यों, वन विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं अन्य क्षेत्रों में गुरिल्ला स्वयं सेवकों की सेवाओं का लाभ कैसे लिया जा सकता है, इस दिशा में ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी को निर्देश दिये कि सर्बोधित विभागों द्वारा राज्य के प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयं सेवकों को आजीविका से जोड़ने और उनके प्रशिक्षण का लाभ राज्य को भी मिल सके, इस दिशा में जो भी कार्यवाही की जा सकती है, इसके अनुपालन में समय-समय पर बैठक ली जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, डीजीपी अभिनव कुमार, कमांडेंट जनरल होमगार्ड केवल खुराना, डीआईजी/ अपर सचिव गृह श्रीमती निवेदिता कुकरेती, अपर सचिव विनीत कुमार, ललित मोहन रयाल, अत्तर सिंह, संबंधित विभागीय अधिकारी और वर्चुअल माध्यम से एस.एस.बी. द्वारा प्रशिक्षित गुरिल्ला स्वयंसेवक उपस्थित थे।

गोवंशीय पशु तस्करी में दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गोवंशीय तस्करी मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से एक गोवंशीय पशु व तस्करी में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन भी बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली लक्सर पुलिस द्वारा एक सूचना के बाद क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को मखियाली अड्डे के पास एक संदिग्ध वाहन (छोटा हाथी) आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकने का इशारा किया तो वाहन सवार दो लोग भागने का प्रयास करने लगे। जिस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। वाहन की तलाशी के दौरान उसमें क्रुरतापूर्वक रखे एक गोवंशीय पशु को बरामद किया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मोनू पुत्र ओमपाल निवासी ग्राम डौसनी लक्सर व फरोज पुत्र कासिम निवासी ग्राम जैनपुर लक्सर बताया। पुलिस ने उन्हे सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

नकली शराब के धंधे का भण्डाफोड़, एक गिरफ्तार

❑44 पेटी नकली शराब, 12 सौ ढक्कन व 3437 नकली होलोग्राम बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में आबकारी विभाग द्वारा नकली शराब के धंधे का खुलासा किया गया है। आबकारी विभाग के प्रवर्तन दल द्वारा एक मकान में छापेमारी कर 44 पेटी देशी शराब, 12 सौ ढक्कन देशी शराब के एंव नकली होलोग्राम (3437) बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजधानी दून में तैयार की जा रही नकली शराब के धंधे का आबकारी विभाग की टीम ने खुलासा किया है। प्रर्वतन दल देहरादून द्वारा आईएसबीटी क्षेत्रांर्तगत एक मकान में छापा मारकर 44 पेटी देशी शराब, 1200 ढक्कन देशी शराब के एवं नकली होलोग्राम (3437) बरामद किये गये है। मौके पर आबकारी टीम द्वारा एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। जिसने पूछताछ में अपना नाम विकास कर्णवाल निवासी सहारनपुर उत्तर प्रदेश बताया। नकली शराब के धंधे का खुलासा करने वाली आबकारी विभाग की टीम में आबकारी निरीक्षक विजेन्द्र भण्डारी, उप आबकारी निरीक्षक पान सिंह राणा, उमराव सिंह राणा उपस्थित रहे। जिला आबकारी अधिकारी राजीव सिंह चौहान ने बताया कि लगातार टीमों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं इस क्रम में कार्रवाई की जा रही है।

सेटिंगबाज अधिकारियों की वजह से नहीं मिल रहा जनता को न्यायः नेगी

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सेंटिंग बाज अधिकारियो की वजह से जनता को न्याय नहीं मिल रहा है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्ट एवं सेटिंगबाज अधिकारियों का साम्राज्य स्थापित हो गया है, जिसके चलते ईमानदार एवं कर्मठ अधिकारियों को हासिए पर डाला जा रहा है। जिसका नतीजा यह हुआ कि आमजन अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है। नेगी ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों की शीर्ष नेताओं से जुगलबंदी के चलते मातहत अधिकारी अपने उच्च अधिकारियों की भी नहीं सुन रहे, जिस कारण कर्मठ एवं ईमानदार अधिकारी अपने को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। आज आलम यह है कि अधिकारी जनता के आवेदन पत्रों पर कार्रवाई करना तो दूर उन पर नजर तक नहीं डाल रहे। सेटिंग बाजी के आधार नियम विरुद्ध काम आसानी से हो रहे हैं, लेकिन जायज कार्यों पर किसी की कोई दिलचस्पी नही। मोर्चा सरकार से मांग करता है कि इस परिपाटी को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़े। पत्रकार वार्ता में अमित जैन व सुशील भारद्वाज मौजूद थे।

एक नजर

विपक्ष कर रहा है संसद की मर्यादा को तार-तारः शाहनवाज हुसैन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने दरगाह साबिर पाक में चादर और फूल पेश कर देश मे चैन और अमन की दुआ मांगी और कहा कि विपक्ष संसद की मर्यादा को तार-तार कर रहा है।

आज पिरान कलियर पहुँचे बीजेपी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि वह अक्सर दरगाह साबिर पाक में हाजरी पेश करने आते रहते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद की मर्यादा को तार-तार करने का काम कर रहा है और उपराष्ट्रपति का मजाक उड़ाया जा रहा है। राहुल गांधी उसका वीडियो बना रहे हैं। कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में हमने तीन राज्यों में जीत दर्ज की हैं। जिससे विपक्ष हताश, निराश होकर इस प्रकार से एक्ट रिएक्ट कर रहा है। लेकिन इससे कुछ होने वाला नही है और आगामी आम चुनाव में 400 से अधिक सीटे जीतकर नरेंद्र मोदी एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश जमदग्नि, राकेश गुप्ता, बहरोज आलम, इसरार अल्वी, राव अमरीन, मुनव्वर अली, राव नदीम, राव सिकंदर ,इंतखाब आलम आदि मौजूद रहें।

राहुल जी ने वीडियो बनाया इसलिए मिमिक्री को दिया गया तूलः ममता बनर्जी

नई दिल्ली। अपने सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की खिल्ली उड़ाए जाने पर तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रतिक्रिया दी है। ममता ने बुध वार को मीडिया से बातचीत में कहा कि श्राहुल जी ने यदि इस घटना का वीडियो नहीं बनाया होता तो मिमिक्री की यह बात सामने नहीं आई होती।

ममता ने कहा कि वह सभी का सम्मान करती हैं। इस मौके पर उन्होंने मीडिया को क्रिसमस एवं नए साल की शुभकामनाएं दीं। बता दें कि सासंदों के निलंबन के खिलाफ विपक्ष के नेता मंगलवार को संसद के प्रवेश द्वार पर विरोध -प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी अपनी जगह से उठते हुए सदन में सभापति धनखड़ की नाराजगी एवं कार्यशैली की नकल कहते हुए मिमिक्री की। इस दौरान विपक्ष के सांसद ठहाके लगाकर हंसते देखे गए जबकि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने मोबाइल फोन में बनर्जी के मिमिक्री की रिकॉर्डिंग की।

सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दियाः सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस की सीनियर नेता सोनिया गांधी ने सांसदों के निलंबन पर नाराजगी जाहिर की है। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा है कि सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया है। सोनिया गांधी ने अपने भाषण के दौरान कहा, इससे पहले कभी भी इतने सारे विपक्षी सांसदों को सदन से निलंबित नहीं किया गया, और वह भी केवल एक बिल्कुल उचित और वैध मांग उठाने के लिए। विपक्षी सांसदों ने 13 दिसंबर की घटना (सुरक्षा चूक) को लेकर लोकसभा में गृह मंत्री से बयान मांगा था। लेकिन इस अनुरोध पर जिस अहंकार के साथ व्यवहार किया गया, उसे बताने के लिए शब्द नहीं हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 13 दिसंबर को जो हुआ वह अक्षम्य है। उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता।

प्रधानमंत्री को राष्ट्र को संबोधित करने और घटना पर अपने विचार व्यक्त करने में चार दिन लग गए और उन्होंने ऐसा संसद के बाहर किया। ऐसा करके उन्होंने सदन की गरिमा और हमारे देश के लोगों के प्रति अपनी उपेक्षा का स्पष्ट संकेत दिया है। कल्पना कीजिए कि अगर भाजपा आज विपक्ष में होती तो क्या प्रतिक्रिया देती। सोनिया गांधी ने कहा, इस सत्र में जम्मू-कश्मीर से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए। जवाहरलाल नेहरू जैसे महान देशभक्तों को बदनाम करने के लिए इतिहास को विकृत करने और ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने वाले लोग लगातार अभियान चला रहे हैं। इन प्रयासों में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने खुद मोर्चा संभाला है, लेकिन हम डरेंगे या झुकेंगे नहीं। हम सच बोलने पर कायम रहेंगे। जम्मू-कश्मीर पर हमारी स्थिति स्पष्ट और सुसंगत रही है। पूर्ण राज्य का दर्जा तुरंत बहाल किया जाना चाहिए, और जल्द से जल्द चुनाव होने चाहिए।

नरभक्षी के आतंक से ग्रामीणों में भारी आक्रोश

युवती के शव को चौराहे पर रख किया हाईवे जाम

विशेष संवाददाता

नैनीताल (भीमताल)। जंगली जानवरों के हमलों से परेशान ग्रामीणों ने आज सड़कों पर उतर कर वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया तथा युवती का शव भीमताल चौराहे पर रखकर भवाली हाईवे को जाम कर दिया। ग्रामीणों की मांग है कि उन्हे तत्काल नरभक्षी से निजात दिलायी जाये अन्यथा वह यहीं चौराहे पर आत्मदाह कर लेगें।

उल्लेखनीय है कि बीते कल शाम भीमताल ब्लाक के गांव अल्चौना निवासी निकिता (20) पुत्री विपिन चन्द शर्मा पर नरभक्षी ने उस समय हमला कर दिया था जब वह घर के पास से ही घास लेकर वापस लौट रही थी। ग्रामीणों के हल्ला करने पर वह निकिता के शव को छोड़ कर भाग गया था। ब्लाक भीमताल के 30 किलोमीटर के दायरे में बीते 15 दिनों मे यह तीसरी महिला की मौत है। जो जंगली जानवरों के हमले के कारण हुई है। वन्य जीवों के इन बढ़ते हमलों के कारण क्षेत्रवासियों में इस कदर दहशत का माहौल है कि बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे है तथा किसान खेतो में काम करने नहीं जा रहे है और महिलाएं घास लेने के लिए जंगल नहीं जा पा रही है।

●बीते 15 दिनों से क्षेत्र में तीसरी महिला की मौत

नरभक्षी के आंतक को लेकर कुछ स्कूलों को पहले ही बंद किया जा चुका है और कल फिर एक युवती की जान जाने के बाद इस क्षेत्र के स्कूलों को भी अब अनिश्चित काल के लिए बंद किया जा चुका है। बीते कल इस युवती पर हुए हमले से पूर्व डीएफओ और एसडीएम ने इस क्षेत्र का दौरा किया था और लोगों को भरोसा दिलाया था कि जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जायेगा। लेकिन इसके कुछ घंटे बाद ही एक युवती को जान गंवानी पड़ी। जिसके शव को आज ग्रामीणों ने भीमताल चौराहे पर रखकर वन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया और हाइवे जाम कर दिया। ग्रामीणो का कहना है कि वह जब तक शव का दाह संस्कार नहीं करेगे जब तक निकिता को न्याय नहीं मिलेगा और आदमखोर को मारा नहीं जायेगा। ग्रामीणों ने वन्य जीव हमलों में मारे जाने वाली दो अन्य महिलाओं के परिजनो को मुआवजा देने की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक धरना प्रदर्शन जारी था। जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलाएं भी शामिल थी।

वन विभाग को नहीं पता नरभक्षी, गुलदार या टाइगर

भीमताल। क्षेत्र में अब तक नरभक्षी के हमलें में तीन महिलाओं की मौत हो चुकी है। लेकिन वन विभाग को यह तक पता नहीं है कि नरभक्षी गुलदार है या टाइगर। नरभक्षी को पकड़ने के लिए वन विभाग ने क्षेत्र में पांच पिजरें लगाये है और 32 कैमरे भी लगाये है। लेकिन उसे न तो अब तक पकड़ा जा सका है न वह कैमरे में कैद हुआ है। डीएफओ का कहना है कि जब यह पता ही नहीं है कि नरभक्षी कौन है तो ऐसे किसे मारा जा सकता है। पूर्व समय में इस नरभक्षी को मारने के आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगायी हुई है तथा जिंदा पकड़ने के आदेश दिये है। लेकिन वन विभाग उसमें अब तक नाकाम रहा है और नरभक्षी आये दिन लोगों को शिकार बना रहा है। निकिता के पिता का कहना है कि वह अब अपनी बेटी का शव लेकर हाईकोर्ट जायेगें और न्याय की मांग करेंगे।

वर्क फॉर होम के नाम पर ठगे साढे आठ लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। वर्क फॉर होम के नाम पर साढे आठ लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रीन व्यू रेजीडेंसी निवासी पूजा असवाल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके डेलीग्राम एकाउंट में खुशी सिंह के नाम से एक वर्क फॉर होम करने का मैसेज आया तथा कुछ एप्लीकेशन प्ले स्टोर तथा गूगल पर सर्च करने के लिए कहा जिसके बदले में उसको तुरन्त 150 से 200 रूपये दे दिये गये तथा उसको एक लिंक पर क्लीक करके रिसेप्नीनिस्ट सुहानी कपूर से बात करने के लिए कहा था। जिसने उसको प्ले स्टोर से विभिन्न एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिये कहा और प्रति डाउनलोड उसको 50 रूपये तुरन्त उसके एकाउन्ट में ट्रांसफर कर दिये जिसके बाद उससे पूछने पर उसने कम्पनी का नाम जेट वायरल सोशल मीडिया बताया गया तथा यह भी बताया कि वह लोग क्रिप्टो करेंसी का उपयोग करके ऑनलाइन ट्रेडिंग है। जिसके बाद उनके द्वारा उसको एक एकाउंट दिया जिसमें 100 रूपये ट्रांसफर करने को कहा गया तथा दो मिनट बाद 1300 वापस दे दिये गये। जिसे बाद उसको एकाउंट बनाने के लिए कहा गया। जिसके बाद उसको अलग-अलग एकाउंट नम्बर व प्रलोभन देकर उसके साथ आठ लाख 56 हजार रूपये की ठगी की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

72 नशीले इंजेक्शन सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत एएनटीएफ टीम व पुलिस को खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से 72 नशीले इंजेक्शन, तस्करी में प्रयुक्त बाइक व नगदी बरामद की है। मामले में आरोपी के दो अन्य भाई फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस व एएनटीएफ टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एएनटीएफ टीम द्वारा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को पीलीकोठी से आगे नाले के पास वाली गली में ज्ञानी का अड्डा नाम की जगह के पास शिव नगर में बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रूकने का इशारा किया गया तो वह भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 72 नशीले इंजेक्शन व 300 रूपये की नगदी बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम सतविन्दर सिंह उर्फ गेंदू पुत्र जोगेन्द्र सिंह निवासी वार्ड न. 8 पीली कोठी के पास शिवनगर थाना ट्रांजिट कैम्प उधमसिंहनगर बताया। बताया कि बरामद इंजेक्शन उसके दो भाई जिनके नाम अमरजीत सिंह व सुरेन्द्र है वह उसे देते है तथा वह इन्हे नशे के आदी लोगों को बेचता है और इस कारोबार में जो भी मुनाफा होता है उसे आपस में बांट लिया जाता है। बरामद बाइक के सम्बन्ध में आरोपी ने बताया कि वह भी उसके दोस्त विजय विश्वास उर्फ बिरजू की है। विजय विश्वास उर्फ बिरजू भी पूर्व में प्रतिबंधित इन्जेक्शन को बेचने के आरोपी में न्यायिक हिरासत में है। बहरहाल आरोपी के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया है। वहीं आरोपी के फरार भाईयों की तलाश की जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।